हिमालयी गद्दि: जप्सि हिमालयेंससि

हाल ही में **गुवाहाटी में असम राज्य चड़ियिाघर** ने **भारत में पहली बार कैद में दुर्ग्राह्य हिमालयी गद्दि (जप्सि हिमालयेंससि) का सफलतापूर्वक प्रजनन** कराकर एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासलि की है।

- इसके अतरिक्ति **केटोप्रोफेन और एसक्लिोफेनाक के वरिचन, वक्रिय और वतिरण** पर रोक लगाने के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परविार कल्याण मंत्रालय के नरि्णय ने गद्दि संरक्षणवादयिों और वशिेषज्ञों में एक उम्मीद जगाई है।

हिमालयी गद्दि के वषिय में :

- **संरक्षण की स्थति:**
  - अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (International Union for Conservation of Nature-IUCN) की लाल सूची (रेड लसि्ट): **संकटग्रस्त प्रजाति**
  - वन्यजीवों एवं वनस्पतयिों की लुप्तप्राय प्रजातयिों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): **परशिषि्ट II**
- **वशिेषताएँ:**
  - **वशि्व के प्राचीनतम एवं सबसे बड़ी गद्दि प्रजातयिों** में से एक हमिालयी गद्दि के **डैने वशिालकाय और दुर्जेय** होते हैं।
  - इनके पंखों पर **काले और भूरे रंग** की प्रधानता होती है, जो **ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों में इन्हें स्वयं को छपिाने में मदद** करती है।
  - मज़बूत व मुड़ी हुई चोंच और गहन दृष्टि की वशिेषता के कारण गद्दि, पर्यावरण के **सबसे कुशल अपमार्जक** होते है, जो सड़े-गले जैवकि पदार्थों (वशिेषकर मृत जीवों) को खाकर पारस्थितिकिी तंत्र में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाते हैं।
- **पर्यावास एवं क्षेत्र:**
  - हमिालयी गद्दि का नाम उपयुक्त है, क्योंकि यह मुख्य रूप से **हमिालय पर्वत शृंखला की ऊँची चोटयिों एवं घाटयिों में** नविास करता है।
    - यह भारतीय मैदानी क्षत्रों में होने वाला एक सामान्य शीतकालीन प्रवासी है।
  - इसका वतिरण **भारत, नेपाल, भूटान तथा चीन** सहति कई देशों में हैं, जहाँ यह कठनि ऊँचाई वाली परस्थितियिों में फलता-फूलता है।
- **पारस्थितिकिीय महत्त्व:**
  - एक शीर्ष शकिारी और सफाईकर्मी के रूप में हमिालयी गद्दि जानवरों के अवशेषों का कुशलतापूर्वक नपिटान करके**अपने आवास के स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा** नभिाता है।
  - इसकी **सफाई की प्रवृत्ति उन बीमारयिों के प्रसार को रोकने में सहायता** करती है जो सड़े-गले शवों के कारण उत्पन्न हो सकती हैं, इस प्रकार यह पारस्थितिकिी तंत्र के समग्र संतुलन में योगदान करता है।
- **चुनौतयिाँ तथा संरक्षण के प्रयास:**
  - बर्फ से ढके पहाड़ों में घोंसला बनाने की इसकी मूल प्रवृत्ति के कारण हमिालयी गद्दि को **कैद में प्रजनन करने से जटलिताएँ उत्पन्न** हुई हैं।
  - चड़ियिाघर में सफल प्रजनन लंबे समय तक कैद में रहने तथा उष्णकटबिंधीय वातावरण में अनुकूलन के माध्यम से संभव हो सका।
  - **नविास स्थान की हानि, भोजन की कमी एवं पशु चकित्सिा दवाओं के कारण वषिाक्तता** जैसे कारकों ने इसकी संख्या में गरिावट लाने में योगदान दयिा है।
  - संरक्षण प्रजनन केंद्र, जैसे कि रानी, असम **गद्दि संरक्षण प्रजनन केंद्र** (**VCBC**), गद्दि प्रजातयिों की सुरक्षा प्रदान करने में सहायक है।

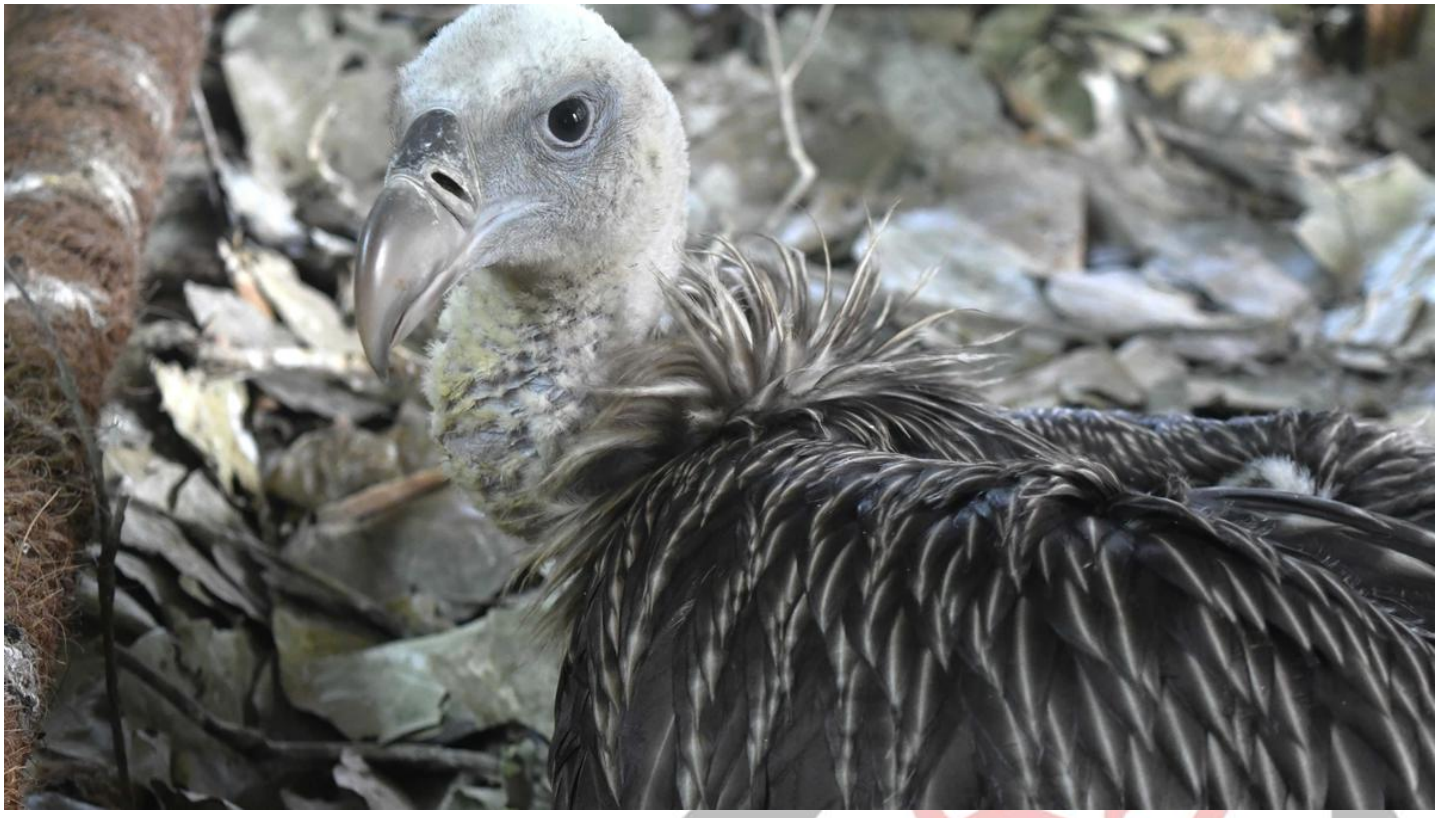

केटोप्रोफेन और एसकि्लोफेनाक का गदि्धों पर प्रभाव:

- **केटोप्रोफेन और एसकि्लोफेनाक** दो प्रकार की **नॉन-स्टेरायडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाएँ** (NSAIDs) हैं जनिका उपयोग पशुओं (वशिषकर मवेशयिों में दर्द और सूजन) के इलाज के लयि कयिा जाता है।
- इन दवाओं को **गठयिा, चोटों और सर्जरी के बाद दर्द** के उपचार लयि दयिा जाता है।
- जब गदि्ध **इन दवाओं से उपचारति पशुओं के शवों को खाते हैं तो गदि्धों में गुर्दे की वफिलता और मृत्यु होने की संभावना बढ़ने** के कारण ये दवाएँ गदि्धों के स्वास्थ्य के लयि हानकिारक पाई गई हैं।

भारत में गदि्धों की प्रजातयिाँ:

क्रम संख्या	गदि्ध प्रजाति	IUCN स्थति	चत्रिण
1.	ओरयिंटल वाइट-बैक्ड वल्चर (Gyps bengalensis)	**अतसिंकटग्रस्त (Critically Endangered)**	
2.	स्लेंडर-बील्ड वल्चर (Gyps tenuirostris)	**अतसिंकटग्रस्त**	
3.	लॉन्ग बील्ड वल्चर (Gyps indicus)	**अतसिंकटग्रस्त**	

4.	इजप्शियिन वल्चर (Neophron percnopterus)	**संकटग्रस्त (Endangered)**	
5.	रेड हेडेड वल्चर (Sarcogyps calvus)	**अतसिंकटग्रस्त**	
6.	इंडयिन ग्रफिॉन वल्चर (Gyps fulvus)	**कम चतिनीय (Least Concerned)**	
7.	हमिालयन ग्रफिॉन (Gyps himalayensis)	**लुप्तप्राय (Near Threatened)**	
8.	सनिरस वल्चर (Aegypius monachus)	**लुप्तप्राय**	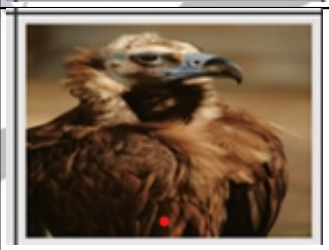
9.	बयिर्डेड वल्चर/लैमरगयिर (Gypaetus barbatus)	**लुप्तप्राय**	

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. कुछ वर्ष पहले तक गद्धि भारतीय देहातों में आमतौर पर दखिाई देते थे, कतिु आजकल कभी-कभार ही नज़र आते हैं। इस स्थतिि के लयि उत्तरदायी है: (2012)

(a) नवीन प्रवेशी प्रजातयिों द्वारा उनके नीड़ स्थलों का नाश।
(b) गोपशु मालकिों द्वारा रुग्ण पशुओं के उपचार के लयि प्रयुक्त औषधि।
(c) उन्हें मलिने वाले भोजन में आई कमी।
(d) उनमें हुआ व्यापक, दीर्घस्थायी तथा घातक रोग।

उत्तर: (b)

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/himalayan-vulture-gyps-himalayensis